



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]  
No. 9]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 25, 1986/फाल्गुन 6, 1907  
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 25, 1986/PHALGUNA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्यालय सक्षम अधिकारी/निरीक्षी सहायक आयकर अयुक्त  
(अर्जन क्षेत्र)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 299 डी  
(1) के अधीन नोटिस

लखनऊ, 12 फरवरी, 1986

जी.आई.आर.संख्या एल.55/अर्जन :—यतः मैं श्रीमती यू. फांजीलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 बी के अधीन सक्षम अधिकारी के रूप में यह विश्वास करने का कारण रखता हूँ/रखती हूँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 458 है तथा जो बदायूं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण प्राप्त है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, और उसके दृश्यमान प्रतिफलों का अन्तर उस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-सी के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-डी की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1.—अन्तरक

मै. हिन्दुस्तान लीवर लि.,  
165/166, बैकबे, रिकलेमेशन,  
बम्बई-400020

2.—अन्तरिती :

मै. लिप्टन इण्डिया लि.,  
9, वेस्टन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700013

3—वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :  
विक्रेता

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता/करती हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीप्य से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय एक्स-एक्स-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि मिलक कलेक्शन सेन्टर के नाम से जानी जाती है, जिसका सर्वे नं. 456 है, पैमाईशी 1618.74 वर्ग-मीटर : स्थित बदायूँ (उ. प्र.) और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेल डीड में वर्णित है।

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE

Notices U/S 269D(1) of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961)

Lucknow, the 12th February, 1986

G.I.R. No. L-55/AG.—Whereas I, Mrs. U. Kanjilal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Survey No. 456 situated at Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer [Registrar] Sub-Registrar at Bombay on 27th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Transferor	M/s. Hindustan Lever Ltd., 165/166, Backbay Reclamation, Bombay-400020
2. Transferee	M/s. Lipton India Ltd., 9, Weston Street, Calcutta-700013
3. Person in occupation of the property	Vendor

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this Notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### SCHEDULE

Properties known as Milk Collection Centres—Survey No. 456, measuring 1618.74 sq. mtrs. situated at Budaun (U. P.) and all that descriptions of the properties which are mentioned in the sale deed.

Date : 12-2-1986.

Seal :

जी.आई.आर. संख्या एल-56/अर्जन.—यतः मैं श्रीमती यू. कांजीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 बी के अधीन सक्षम अधिकारी के रूप में यह विश्वास करने का कारण रखता/रखती है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या सर्वे नं. 633/बी है तथा जो बदायूं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकारा अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण प्राप्त है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, और उसके दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर उस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेख में दायित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों से अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269/सी के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 209 डी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1—अन्तरक

मै. हिन्दुस्तान लीड्स लि.,  
165/166, बैकबे, रिकलेमेशन  
बम्बई-400020

2—अन्तरिणी :

मै. लिफ्टन इण्डिया लि.,  
9, वेस्टन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700013

3—जह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है :

विक्रेता

4—जह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है :

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता/करती है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जो कि मिल्क कलेक्शन सेन्टर के नाम से जानी जाती है । जिसका सर्वे नं. 633/बी, पैमाईसी 1610.74 वर्ग मीटर स्थित बदायूं (और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेल डीड व फार्म 37 जी में वर्णित है)

तारीख 12-2-1986

मोहर :

G.I.R. No. L-56/AG.—Whereas I, Mrs. U. Kanjilal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Survey No. 633/B situate at Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Bombay on 27th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- |  |  |
|--|--|
| 1. Transferor  | M[s. Hindustan Lever Ltd.,<br>165/166, Backbay<br>Reclamation<br>Bombay-400020 |
| 2. Transferee  | M[s. Lipton India Ltd.,<br>9, Weston Street,<br>Calcutta-700013                |
| 3. Person in<br>occupation<br>of the<br>property                                     | Shri Smt. Km. Vendor   |
| 4. Person<br>whom the<br>undersigned<br>knows to be<br>interested in<br>the property | Shri Smt. Km. X  |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this Notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

Properties known as Milk Collection Centres—Survey No. 633/B, measuring 1610.74 sq. mtrs. situated at Budaun; and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed.

Date : 12-2-1986.

Seal :

जी. आई. आर. संख्या एल.-57/अर्जन :- यतः मैं श्रीमती यू. कांजीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 बी के अधीन सक्षम अधिकारी के रूप में यह विश्वास करने का कारण रखता/रखती है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी

संख्या सर्वे नं. 92/बी है तथा जो बदायूं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण प्राप्त है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, और उसके दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर उस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269/सी के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 डी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

1—अन्तरक  
मैसर्स हिन्दुस्तान लीवर लि.  
165/166, बकबे, रिक्लेमेशन  
बम्बई-400020

2—अन्तरिती :  
मै. लिप्टन इण्डिया लि.  
9, वेस्टर्न स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700013

3—वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :  
विक्रेता

4—वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है : X

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता/करती है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किये जा सकेंगे ।



स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय एक्स-एक्स-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जो कि मिल्क कलेक्शन सेंटर के नाम से जानी जाती है। जिसका सर्वे नं. 92/बी है पैमाईशी 1740.15 वर्गमीटर स्थित बदायूं (उ. प्र.) और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सल-डीड में दर्शित है।

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

G.I.R. No. L-57/Acq.—Whereas I, Mrs. U. Kanjilal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Survey No. 92/2 situated at Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Bombay on 27th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- |   |   |        |
|---|---|--------|
| 1. Transferor                           | M/s. Hindustan Lever Ltd.,<br>165/166 Backbay<br>Reclamation<br>Bombay-400020 |        |
| 2. Transferee                           | M/s. Linton India Ltd.,<br>9. Weston Street,<br>Calcutta-700013               |        |
| 3. Person in occupation of the property |   | Vendor |

- Person  
whom the undersigned knows to be interested in the property Shri/Smt. Km.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this Notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

Properties known as Milk Collection Centres—Survey No. 92/B, measuring 1740.15 sq. mtrs. situated at Budaun (U.P.), and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed.

Date : 12-2-1986.

Seal :

जी. आर्. आर. संख्या एल-58/अर्जन :—यतः मैं, श्रीमती यू. कान्जीलाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 बी के अधीन सक्षम अधिकारी के रूप में यह विश्वास करने का कारण रखता/रखती है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या सर्वे नं. 411 है तथा जो बदायूं में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1985 को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण प्राप्त है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, और उसके दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर उस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मान्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनों से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्वधिया के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269/सी के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 डी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1—अन्तरक

मै. हिन्दुस्तान लीवर लि.,  
165/166, बैकबे, रिकलेमेशन  
बम्बई-400020

2—अन्तरिती :

मै. लिप्टन इण्डिया लि.  
9, वेस्टन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700013

3—वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है :

विक्रेता

4—वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है :

श्री/श्रीमती/कुमारी

×

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता/करती हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय एक्स-एक्स-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जोकि मिल्क कलेक्शन सेन्टर के नाम से जानी जाती है । जिसका सर्वे नं. 411 है, पैमाईसी 1618.74 वर्ग मीटर, स्थित बदायूं (उ. प्र.) और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेल डीइ में वर्णित है) ।

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

G.I.R. No. L-58/Acq.—Whereas I, Mrs. U. Karjilal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Survey No. 411 situated at

Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Bombay on 27th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- |   |  |
|---|--|
| 1. Transferor   | M/s. Hindustan Lever Ltd.,<br>165/166, Backbay<br>Reclamation<br>Bombay-400020 |
| 2. Transferee   | M/s. Lipton India Ltd.,<br>9, Weston Street,<br>Calcutta-700013                |
| 3. Person in occupation of the property                               | Vendor   |
| 4. Person whom the undersigned knows to be interested in the property | Shri/Smt./Km. <span style="float: right;">×</span>                             |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this Notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### SCHEDULE

Properties known as Milk Collection Centres—Survey No. 411, measuring 1618.74 sq. mtrs. situated at Budaun (U.P.), and all that description of the property which is mentioned in the sale deed.

Dated : 12-2-1986.

Seal :

जी. आर्. आर. संख्या एल-59/अर्जन :—यतः मूझे श्रीमती यू. कांजीलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (हिस्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 बी के अधीन सक्षम अधिकारी के रूप में यह विश्वास करने का कारण रक्ता है/रखती हूँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि और बिल्डिंग 39/1 है तथा जो भूमि मौजा सिमरा, रामनगर रोड, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मूझे यह विश्वास करने का कारण प्राप्त है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, और उसके दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर उस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों से अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सहायता के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-सी. के अन्तर्करण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 डी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1—अन्तरक

मै. हिन्दुस्तान लीवर लि.,  
165/166, बैकाबे रिकलेमेशन,  
बम्बई-400020

2—अन्तरिती :

मै. लिप्टन इण्डिया लि.  
9, वेस्टन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-700013

3—वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :

विक्रेता

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता/करती हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय एक्स-एक्स-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि और बिल्डिंग 39/1, मौजा-सिमरा, राम नगर रोड, वाराणसी (उ.प्र.) और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेल डीड में वर्णित है ।

तारीख 12-2-1986

मोहर :

श्रीमती यू. कांजी लाल, सक्षम अधिकारी,

निरीक्षण,

सहायक आयकर आयुक्त,

(अर्जन क्षेत्र) ।

G.I.R. No. L-59/AG.—Whereas I, Mrs. U. Kanjilal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land and Building 39/1 situate at Mauza-Simra, Ramnagar Road, Varanasi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer[Registrar]Sub-Registrar at Bombay on 27th May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that

the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- |  |  |
|--|--|
| 1. Transferor                                    | M[s. Hindustan Lever Ltd.,<br>165/166, Backbay<br>Reclamation<br>Bombay-400020 |
| 2. Transferee                                    | M[s. Lipton India Ltd.,<br>9, Weston Street,<br>Calcutta-700013                |
| 3. Person in<br>occupation<br>of the<br>property | Vendor   |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this Notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

Land and building 39/1, Mauza-Simra, Ramnagar Road, Varanasi (U.P.) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed.

Dated : 12-2-1986.

Seal :

MRS. U. KANJILAL, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Ranger